২ অগ্রহায়ণ মঙ্গলবার ১৪২৬
সপ্তমী ঘ ১/৪২
Saka - 28 Kartick 1941
অহম - ২ অঘোন ১৪২৬
Sunrise - 5.55 A.M.

NOVEMBER
19
TUESDAY

৭ মার্গশীর্ষ কৃষ্ণ মংগলবার ২০৭৬
সপ্তমী ঘ ৭/৪২
Hizri - 21 Rabi-ul-awwal 1441
১৯ নবম্বর ২০১৯
Sunset - 4.47 P.M.

Date - 16/6/20

Ch-2 Inside [धमंड का फल] class- IV

खाली स्थान भरो :-

(1) भौंरा इन्द्रधनुषी रंग का था।

(2) भौंरे की चाल से बाग के फूल उदास रहने लगे।

(3) धतूरे का फूल महादेव को बड़ा प्रिय है।

(4) भौंरे का धमंड चूर-चूर हो गया।

(5) धमंड का फल बुरा होता है।

इन्द्रधनुषी, चाल - उदास, धतूरे, धमंड, बुरा।

Scanned by CamScanner

Class- IV

Home work Date-16/06/20

Ch-2 घमंड का फल

वाक्य बनाओ :—

1) तितली :— तितली फूलों पर बैठ उनका रस चूसती है।

2) तालाब :— तालाब में मछलियाँ रहती हैं।

3) कमल :— हमारा राष्ट्रीय फूल कमल है।

4) अभिमान :— मोर को अपने रूप का अभिमान था।

5) उदास :— आज मेरा दोस्त बहुत उदास था।

16/06/20

NOV 2019 F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

Scanned by CamScanner

2. घमंड का फल

एक समय था जब भौंरा इन्द्रधनुषी रंग का था। देखने में चित्ताकर्षक।

भौंरे को अपने रूप का अभिमान हो चला। वह दूसरों को नीचा दिखाने में न चूकता। एक दिन तितलियों से कहा : 'तुम्हारे पंख काले, चितकबरे और कितने ही रंगों के मिश्रण से भद्दे लगते हैं। देखो, मेरा इन्द्रधनुषी रंग कितना प्यारा है! तुम सब गूँगी हो, पर मेरा कितना मधुर कंठ है और मेरी वाणी कितनी मधुर है!'

भौंरा मीठे-मीठे उलाहने देकर उड़ जाता। तितलियाँ उदास हो जातीं।

एक दिन भौंरे ने तालाब में खिले कमल से कहा : 'तुम अपने को फूलों का राजा कहते हो, मगर गुलाब कहता है कि फूलों का राजा मैं हूँ। वह ठीक ही कहता है कि तुम्हारा जन्म कीचड़ से हुआ है, अतः तुम फूलों में श्रेष्ठ नहीं हो सकते।'

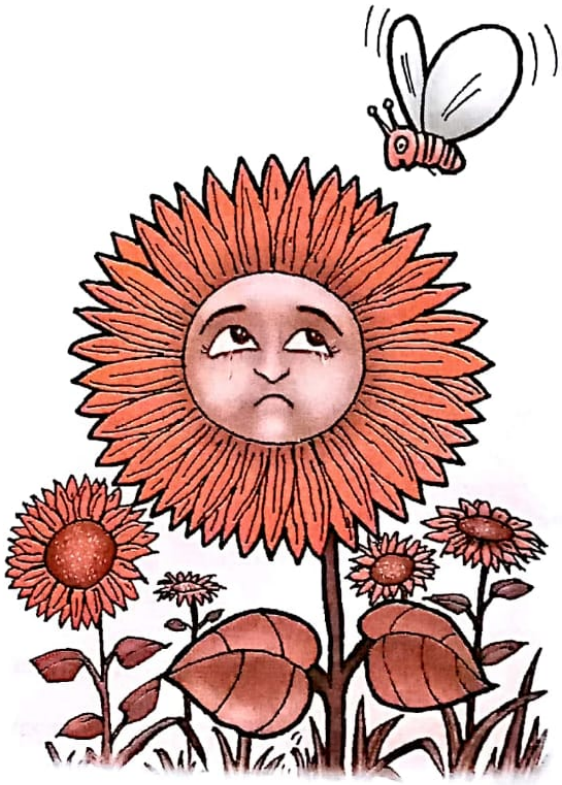

कमल का हृदय दुःखित कर भौंरा उड़ जाता और सूर्यमुखी के ऊपर मँड़राने लगता। वह रजनीगंधा की प्रशंसा करता हुआ सूर्यमुखी को नीचा दिखाता। इसी तरह कभी चंपा को चमेली के विरुद्ध भड़काता तो कभी कटहरी चंपा को हरसिंगार के विरुद्ध।

भौंरे की चाल से बाग के फूल उदास रहने लगे।

एक दिन फूलों ने सभा की और धतूरे को अगुआ बनाया। धतूरे का फूल

Scanned by CamScanner

महादेव को बड़ा प्रिय है, अतः वह सब फूलों के साथ महादेव के दरबार में पहुँच गया। महादेव ने सारी बातें सुनकर भौंरे को बुलाया और उससे स्पष्टीकरण माँगा। भौंरे ने अपना दोष स्वीकारा।

महादेव ने उसी समय उसका सुंदर रूप ले लिया और उसे काला कुरूप दे दिया। उसका मधुर कंठ भी ले लिया।

भौंरे का घमंड चूर-चूर हो गया। उसे ज्ञात हुआ कि घमंड का फल बुरा होता है।

• शब्दार्थ •

इन्द्रधनुषी = इन्द्रधनुष के विभिन्न रंगों से युक्त	स्पष्टीकरण = स्पष्ट करने की क्रिया
चित्ताकर्षक = चित्त को आकर्षित करनेवाला	उलाहना = शिकायत
स्वीकारा = स्वीकार किया, कबूल किया	ज्ञात = मालूम
कुरूप = भद्दा, जो देखने में अच्छा न हो	

• बोधात्मक और विचारात्मक प्रश्न •

1. भौंरे को किन बातों का अभिमान था?
2. भौंरे ने तितलियों को किस तरह नीचा दिखाया?
3. कमल के फूल कहाँ खिलते हैं? भौंरे ने कमल का हृदय किस प्रकार दुःखित किया?
4. भौंरे का घमंड किस तरह चूर हुआ?
5. इस पाठ से क्या शिक्षा मिलती है?

• भाषा और व्याकरण •

1. कोष्ठ में दिए गए शब्द के बहुवचन रूप से वाक्य-पूर्ति करो।

..... ने कहा। (तितली)

..... ने सभा की। (फूल)

Scanned by CamScanner

2. पढ़ो और समझो।

इन्द्रधनुष—इन्द्रधनुषी	धन—धनी
लालच—लालची	गुण—गुणी
देश—देशी	दरबार—दरबारी
घमंड—घमंडी	जंगल—जंगली

'ई' की मात्रा लगाकर विशेषण बनाए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो।

3. निम्नांकित शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखो।

गूँगा राजा काला भद्दा मेरा बालक सिंह मोर

4. वाक्यों में आए विशेषणों को रेखांकित करो।

(क) भौंरा मीठे-मीठे उलाहने देकर उड़ जाता।

(ख) महादेव ने उसका सुंदर रूप ले लिया।

13/06/20.

5. 'तुम अपने को फूलों का राजा कहते हो।'

इस वाक्य में 'तुम' किस प्रकार का शब्द है? (शब्द-भेद बताओ।)

इस शब्द के दो भिन्न रूपों का वाक्यों में प्रयोग करो।

6. श्रुतलेख (सही पढ़ो, सही लिखो।)

इन्द्रधनुषी श्रेष्ठ प्रशंसा विरुद्ध स्पष्टीकरण कुरूप ज्ञात

★

Scanned by CamScanner